RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 33 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 19 जनवरी 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

इच्छाशक्ति हो तो मंजिल दूर नहीं

जीतेन्द्र सिंह मपवाल से बातचीज

संस्कृति संरक्षण के लिये ठोस पहल

कार्यालय प्रतिनिधि

अपनी संस्कृति के नाम पर सबसे आसान उपाय बयान जारी करना या लटके-झटके मान लिया गया है लेकिन ‘रील’ की इस दुनिया में ठोस कार्य का वजूद हमेशा रहता है। ऐसे ही ठोस कार्य में जुटे हैं युवा जीतेन्द्र सिंह मपवाल। सामान्य रूप से देखने में लग सकता है कि जोहार नगर हल्द्वानी में यह व्यवसाय के लिये प्रतिष्ठान खोलकर बैठे हैं लेकिन उनका लक्ष्य अपनी परम्परा को दृढ़ता के साथ सींचना है।

दादा भवान सिंह मपवाल के पोते और पिता जयसिंह माता श्रीमती वीजामती के घर मपवालबाड़ा, दरांती में जन्मे वीरेन्द्र लगन बचपन से ही कुछ अलग करने की रही है, जिस कारण वह शिक्षा व नौकरी आदि के लम्बे सफर को कम उम्र में पूरा कर अपने मूल में लौट पड़े। यज सिंह जी के पुत्रों में नारायण सिंह, गणेश सिंह, गंगा सिंह और वीरेन्द्र सिंह हुए। दरांती गाँव में ही प्राइमरी पढ़ाई के बाद इन भाइयों ने अपने रास्ते तलाशे और वीरेन्द्र भी लम्बे सफर में शामिल हुए। इन्होंने दरांती से शुरु होकर जूनियर हाईस्कूल रांथी से, फिर इण्टर मुनस्यारी से करने के बाद दिल्ली में एमबीए किया। अपने इस सफर में प्राइवेट कम्पनियों से जुड़कर कई अनुभव प्राप्त किये। सन् 2000 में अपने भाई गणेश के पास दिल्ली में थे जिन्होंने एक शोरूम में इन्हें काम दिलवाया। वीरेन्द्र बताते हैं कि आइसक्रीम के उस शोरूम में 800 रुपये मासिक वेतन था। इसके बाद आईसीआई आई बैंक में कार्य किया और मेहनत के साथ शाखा संभाली। इस बीच 2010 में कंस्ट्रक्शन के कार्य के लिये वीरेन्द्र जम्मू चले गये जहाँ उत्तम सिंह व्यास के संरक्षण में वह कम्पनी में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में थे। एशिया का बड़ा टनल इस कम्पनी ने बनाया जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। किन्हीं कारणों से यह प्रोजेक्ट कम्पनी का कार्य सिमट गया और 2013

> **भगवान सिंह बरफाल, नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, भूपेन्द्र सिंह पांगती, डॉ. एन.एस. पांगती का संरक्षण आगे बढ़ाने में कारगर हुआ**

में वीरेन्द्र विवाह बन्धन में बंध गये थे। भाई गणेश के निधन के बाद दिल्ली में इन्होंने 2015 तक उनके कार्य को आगे बढ़ाया लेकिन इनका व्यावसायिक वृत्ति के अलावा सामाजिक ज्यादा रही है। इन्होंने सोचा जब इतनी मेहनत बाहर जाकर करनी है तो क्यों न अपने प्रदेश में कुछ करें, अपने व्यवसाय को प्रोत्साहित किया जाए, जो कुछ उन्होंने सीखा व बचपन से जिया है उसे आगे बढ़ाया जाए। इसी धुन में वह अपने घर दरांती लौटे और घर

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

याज्ञवल्क्य गए थे मूअन जो दड़ो और गार्गी गई थी हड़प्पा

सूर्यकान्त बाली

सबसे पहले एक बात तरीके से समझ ली जाए। जिसे हम अपने इतिहास में हड़प्पा के नाम से जाते हैं वह नाम तो ठीक है, हड़प्पा ही है। पर जो शब्द हमारी जबान पर मोहन जोदड़ो नाम से चढ़ गया है, वह गलत है। शब्द मोहन जोदड़ो नहीं है। शब्द है मूअन जो दड़ो। ये तीनों शब्द सिन्धी भाषा के हैं। सिन्धी में कई शब्दों के एकवचन प्रयोग के अन्त में ओ आता है। जैसे छोकरो यानी एक लड़का। केलो यानी एक केला। बडो यानी एक बड़ा व्यक्ति। पर यही शब्द जब बहुवचन में आते हैं तो इसके अन्त में आ का प्रयोग होने लगता है। जैसे छोकरा यानी कई लड़के। केला यानी कई केले। बड़ा यानी कई बड़े व्यक्ति। दड़ो शब्द ओ अन्त वाला है, इसलिए एकवचन है। अर्थ है : एक टीला। हिन्दी में जैसे का, के, की का प्रयोग होता है, सिन्धी में वैसे ही जो, जा, जी का प्रयोग होता है। तो ‘जो’ का अर्थ हुआ ‘का’। मूअन शब्द मूअ यानी मृतक का बहुवचन है। इस तरह मूअन जो दड़ो का अर्थ हुआ- मृतकों का टीला। जगह चूंकि मिन्धी में है, इसलिए स्थान का नाम भी सिन्धी भाषा में है।

तो जाहिर है कि मोहन जोदड़ो नाम गलत है, मूअन जो दड़ो ही सही नाम है। पर जैसे हमने पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा हमारे दिमाग में बिठाए गए मोहन जोदड़ो इस गलत नाम को सही मान लिया है, वैसे ही हमने पश्चिमी इतिहासकारों की हमारे इतिहास के बारे में कई गलत धारणाओं को सही मान लिया है। पर जैसे मूअन जो दड़ो इस सही नाम को दिमाग में दर्ज करने के लिए खासी मेहनत करनी पड़ी है, वैसे ही हमें अपने इतिहास को सही तरीके से समझने के लिए खासी मेहनत करनी पड़ेगी। आज जो मेहनत हम हड़प्पा-मूअन जो दड़ो पर कर रहे हैं, वह प्रतीक रूप में ही है और इसका उद्देश्य सही है कि कि जहाँ पश्चिमी इतिहासकारों और उनके भारतीय स्वामिभक्तों ने हमारे पूरे इतिहास को सन्दर्भों से काट कर समझाने की कोशिश की है, वहाँ हमारा संकल्प अब यह होना चाहिए कि हम अपने इतिहास को देश के पूरे ताने बाने में ही रखकर देखें, टुकड़ों में काट-काट कर नहीं।

हड़प्पा और मूअन जो दड़ो को हमारे सामने इस रूप में पेश किया जाता है मानो ये कोई ऐसा स्थान हो जिनका हमारे देश के इतिहास में खास और अलग तरह का महत्व है। पश्चिमी इतिहासकारों का एक प्रिय शगल है और वह यह कि वे अपने को तो बड़े पुराने समय से ही पूर्ण विकसित सभ्यताएँ मानते हैं जबकि दूसरे देशों में वे सभ्यता के आदिम अवशेष ढूँढते लग जाते हैं। इसी शगल का हिस्सा उनका एक शौक यह जताना है कि दुनिया की प्राचीनतम सभ्यताएँ भी उनके अपने (यानी यूरोपीय) देशों की सभ्यताओं से पुरानी नहीं हैं। और अगर कहीं ऐसी पुरानी सभ्यता वाले देश इस धरती पर है। (जो कि यकीनन काफी है) तो वे यह साबित करने में लग जाते हैं कि इन देशों का पुराना इतिहास तो आदिम किस्म का है और वहाँ सभ्यता का विकसित रूप बहुत बाद में शुरू हुआ। भारत का उदाहरण लें। यहाँ का ज्ञात इतिहास आज से दस हजार साल पहले से मिलना शुरू हो जाता है, यह हम अपने आलेखों में कई तरह से देख चुके हैं। वैदिक मन्त्रों की रचना आज से आठ हजार साल पहले शुरू हुई और आज से पाँच हजार साल पहले तक (यानी महाभारत काल तक) होती रही, यह भी देख आए हैं। इसी बीच रामायण (महाभारत से एक हजार साल पहले) लिखी जा चुकी थी जबकि इससे पहले राजा ऋषभदेव का आविर्भाव मनु महाराज से पाँच पीढ़ी बाद अयोध्या में हो चुका था, यह सब हम पढ़ते आए हैं। महाभारत के अब तक के भयानकतम नरसंहार के परिणामस्वरूप देश के सोच में विशिष्ट परिवर्तन आया और इसमें आध्यात्मिकता का संचार हुआ, इस सबके बारे में हम विस्तार से पढ़ते आए हैं और महाभारत के बाद के ढाई-तीन सौ वर्षों के इतिहास तक हम अब तक अपने इन आलेखों में क्रमश: लिखते रहे हैं। आज मूअन जो दड़ो पर लिखने का उद्देश्य यह है कि खुदाई से मिले इस शहर को 3000ई.पू. से 2500ई.पू. के जिस कालखण्ड में इन्हीं पश्चिमी इतिहासकारों ने अपने पुरातत्व सम्बन्धी औजारों की मदद से रखा है यह वही समय है जब रामकथा लोगों की स्मृतियों का अमिट हिस्सा बन चुकी थी, राजा ऋषभदेव के पुत्र जड़भरत के नाम पर देश का भारत नाम स्थापित हो चुका था, महाभारत संग्राम हो चुका था, देश आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से सम्पन्नता के शिखरों को छू रहा था, युद्ध के नतीजों की वजह से देश केसामाजिक मूल्यों पर जबर्दस्त पुनर्विचार

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

अपराधी स्वयं में एक पार्टी होता है इसलिए हमेशा सच का साथ दें

उत्तराखण्ड में अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में न्याय की बात करते हुए चारों ओर प्रदर्शन हो रहे हैं। इस प्रदर्शन में सबसे पहले तो उस वीआईपी को पकड़े की बात कही जा रही है जिसके बारे में अभी तक साक्ष्य नहीं मिला है लेकिन वायरल वीडियो और कहासुनी के आधार पर अनुमान लगाये जा रहे हैं। सच क्या है, इसे जानने के लिये स्व.अंकिता के माता-पिता सहित सभी लोगों ने सीबीआई जाँच की मांग की है। सरकार की ओर से सीएम ने भी आश्वस्त किया है कि वह हर प्रकार से जाँच करवाएंगे। इतना सब होने के बाद भी बहुत ही सीधी सी बात यह है कि जब किसी का नाम बहुत उछल जाता है तो क्या वह अपराधी हो जाता है? जब पूरा समाज किसी नाम को लेकर आन्दोलन की बाढ़ बन चुका हो तो क्या उस व्यक्ति को अपने पद से हटकर यह नहीं कहना चाहिये कि जाँच करवाई जाए? जब लोग उद्वेलित हैं और न्याय की मांग कर रहे हों तो क्या कोई बिचौलिया बनकर रास्ता बना सकता है? क्या किसी गरीब की बिटिया की मौत के बाद सोशल मीडिया पर अपने प्रचार-प्रसार को हवा देने के लिये मनमानी की जा सकती है? ऐसे बेहिसाब सवाल हैं जिनपर बात नहीं हो रही है बल्कि अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में किस प्रकार अपना रास्ता बनाया जाए इसे तय किया जा रहा है।

सभी राजनीतिक दलों को सावधान हो जाना चाहिये कि वह चाहे जो कुछ कर रहे हों उनका सच सब जानने लगे हैं। इसलिये हमेशा सच का साथ दें। अपराधी स्वयं में एक पार्टी होता है इसलिये दल उसे अपनी पार्टी में शामिल कर अपने पार्टी संकल्प को दूषित न करें। अंकिता हत्याकाण्ड ही नहीं अन्य मामलों में भी देखा जा रहा है कि मौकापरस्त पार्टियों में सट जाते हैं और अपनी मौज को पार्टी के खाते में जोड़ते हुए पूरा सामाजिक वातावरण भी दूषित करते हैं। इनकी मौज का दीमक उस पार्टी को भी चाटने लगता है। इसलिये सभी पार्टी नेताओं को देश-प्रदेश-जिला-नगर-गाँव बचाने के लिये अपनी आत्मा की आवाज जरूर सुननी चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

जासूसी करने में किशोर गिरफ्तार

चण्डीगढ़। पंजाब के पठानकोट में 15 वर्षीय किशोर को पाकिस्तानी आकाओं से सम्वेदनशील स्थानों की जानकारी साझा करने के आरोप में पकड़ा गया है। बताया गया कि देश की सम्वेदनशील सूचनाएं इसके द्वारा साझा की जा रही थीं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार किया।

कॉस्मिक डस्ट प्रयोग में सफलता

चेन्नई। अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि भारत में विकसित कॉस्मिक डस्ट एक्सपेरिमेंट ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पृथ्वी की कक्षा में ऑबिंटल डेब्रिस (धूल कणों) का सफलतापूर्वक पता लगाया है। इसरो ने इसे अन्तरग्रहीय रहस्यों की खोज में एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है।

चीन का जापान पर निर्यात प्रतिबन्ध

बीजिंग। चीन ने जापान को उन दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगा दिया है जिनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किए जाने की सम्भावना है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब ताइवान को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

ईरान में महंगाई को लेकर विरोध प्रदर्शन

दुबई। ईरान में महंगाई को लेकर जनाक्रोश बढ़ गया है। देश के निर्वासित युवराज द्वारा प्रदर्शनों के आह्वान के बाद ईरानी प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए मार्च किया। राजधानी तेहरान और अन्य क्षेत्रों की सड़कों पर मलबा बिखरा हुआ देखा गया और हिंसा में कुछ लोग घायल बताए जा रहे हैं।

भारत की साझेदारी पर विशेष महत्व

पेरिस। विदेश मंत्री जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो से भेंट की और समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को लेकर मैक्रो की सकारात्मक भावनाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी को विशेष महत्व है।

रूख बदलवा तक सिंधु संधि निलंबित

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान की सिन्धु जल सन्धि को भारत के लिए बाध्यकारी बताने की टिप्पणी को नए सिरे खारिज करते हुए कहा यह सन्धि निलम्बित है और पाकिस्तान के रूख बदलाव होने तक निलम्बित रहेगी।

फसक

दाज्यू, घमासान मचाने में कोई किसी से कम नहीं ठैरा

हकाहाक करते समय पता ही नहीं चलता है बल

दाज्यू, अपने प्रदेश में चल रहे कौतिक की क्या कहें अब? कौतिकों की बाढ़ में ऐसे कौतिक होने लगे हैं जब चप्पल-जूते लेकर लोग सड़कों पर उतर गये और मार अपशब्दों के ऊंची उड़ान दिखाई दी। भगवान बचाए इस मुलुक को। दाज्यू, घमासान मचाने में कोई किसी से कम नहीं ठैरा। रुद्रपुर में सीकेजी बिल्डर पर ठगी का मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप लगा है कि कॉलोनी काटने के एवज में खरीदी थी भूमि और तय रकम नहीं दी।

दाज्यू, प्रदेश में इतना ज्यादा हकाहाक हो रही है कि समझ ही नहीं आ रहा क्या जो करें। दाज्यू, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में गांधी जयन्ती पर मुख्य अतिथि इस्लाम हुसैन का सम्बोधन था, अब गाय पर टिप्पणी को लेकर किसी ने मामला दर्ज कर दिया है बल। हल्द्वानी में ही भाजपा के पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिन्टू ने युवा नितिन लोहनी की गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद भाजपा ने चिन्टू को पार्टी से निकाल दिया। आप जानने ही वाले हुए कि हुड-हुड-दबंग बनने को बहुत तैयार हैं। सलमान खान को सलमान रहने भी दो लेकिन नहीं छज्जू और लब्बू भी सलमान बनने की जिद कर रहे हैं। किसको क्या कहें? हकाहाक करते समय पता नहीं चलता है बल। लग्गो-लिपटा का असर तो बाद में दिखाई देता है। काशीपुर में शहर के एक बड़े बिल्डर ने एक व्यक्ति के स्वामित्व वाले फ्लैट पर कब्जा कर 20 लाख रुपये की मांग की है बल। अब पुलिस जाँच कर रही है। बाजपुर में तो गजब ही हो गया महाराज। केलाखेड़ा क्षेत्र से लापता दो नाबालिकों ने पकड़े जाने पर पुलिस को बताया कि पिता के दुष्कर्म से आहत होकर वह घर छोड़कर भागी थीं। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष इनके बयान दर्ज हो चुके हैं।

दाज्यू, हल्द्वानी में ज्योति अधिकारी नाम की महिला को पुलिस ने जेल भेज दिया। ज्योति ने उल-जलूल बोल दिया था बल। दाज्यू, आजकल मोबाइल में चल रहे घमासान में ज्योति का नाम भी सुनाई देता है। मोबाइल के दौर में रंगत ही रंगत ठैरी। जिधर देखो रेलमपेल.....। क्या बोलना है, क्या लिखना है, कितना कहना है, किसको कहना......किसका मतलब? जो चाहे अड़ंग-बड़ंग चल रहा है। इसमें समय का पता नहीं चलता है कितनी हकाहाक हो चुकी है। इसी की आड़ में धन्धेबाज भी आसन लगाए हुए हैं। अल्मोड़ा की बुजुर्ग महिला को 27 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर 1.20 करोड़ रुपये ठग लिये गये।

देहरादून में पुलिस ने अंकिता हत्याकाण्ड मामले में एआई के द्वारा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के चेहरे और आवाज की नकल कर डीपफेक वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर जारी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है बल। दाज्यू, एआई भी गजब है इसने बहुतों को व्यस्त कर रखा है। दाज्यू प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराधों से राज्यपाल महोदय भी चिन्तित हैं। दाज्यू, वह ठीक ही कह रहे हैं कि इस तरह के अपराध का तौर-तरीका तकनीकी पर आधारित है इसलिए उससे निपटने के लिये हमें भी तकनीकी तौर पर लैस होना होगा।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

इच्छाशक्ति हो तो.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

से ही कुटीर उद्योग को प्रोत्साहित कर अपने अनुभवों का लाभ साथियों को देने लगे। वह कहते हैं- 'इच्छाशक्ति हो तो मंजिल दूर नहीं।' इसी क्रम में मुनस्यारी ग्रीष्मकालीन खेलोत्सव के दौरान भगवान सिंह बरफाल ने उन्हें नरेन्द्र सिंह जंगपांगी से मिलवाया और उन्होंने अपने लक्ष्य को आगे ले जाना चाहा। इसके बाद सबसे पहले उन्होंने जोहार महोत्सव में स्टाल लगाकर नई शुरुआत की जिसमें भूपेन्द्र सिंह पांगती जी ने प्रोत्साहित किया। इससे आगे के सफर में वह लगातार आगे बढ़ते रहे हैं। जोहार नगर में भी उन्होंने अपना केन्द्र 'हिमालयन मुनस्यारी स्टोर' नाम से शुरू कर दिया। श्री नरेन्द्र सिंह, श्री भूपेन्द्र सिंह जी लगातार उन्हें उत्साहित करते रहते हैं। डॉ.एन.एस.पांगती ने भी उनके हौंसले को उड़ान दी है और आते-जाते हमेशा आगे आगे बढ़ने को कहा है। जीतेन्द्र कहते हैं- जब इस प्रकार का उत्साह उन्हें मिला तभी उनमें हौंसला है। वह पहाड़ के सामान्य परिवार से होते हुए जितना अनुभव दौड़धूप में ले सकते थे, उसके बाद का सफर यही समझ में आया कि अपनी संस्कृति के बिना हम अधूरे हैं। कोविड-19 के समय ने तो दुनिया की सोच को बहुत बदला। इस जाल भरी दुनिया में ठोस कार्य करते जाना ही सत्य का मार्ग है।

वीकेंड पर पुलिस ने पर्यटकों को रोका तो सड़कों पर उतरेगी होटल एसोसिएशन

नैनीताल। इस बार क्रिसमस और नए साल के अवसर पर पर्यटकों के नैनीताल न आने से अब होटल कारोबारियों ने मोर्चा खोल दिया है। पर्यटन कारोबारियों ने आरोप लगाया है कि पुलिस की अव्यवस्थाओं और शहर में तेजी से बढ़ रहे अवैध होम स्टे और होटल के चलते बीते 5 साल में नैनीताल का पर्यटन कारोबार गिरा है।

बोट हाउस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसोसिएशन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस की अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था, गैर पंजीकृत होटल-होमस्टे और फर्जी ट्रैवल एजेंसियों के कारण पर्यटन कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने कहा कि पर्यटन उत्तराखण्ड की रीढ़ की हड्डी है। इससे न केवल होटल व्यवसायी, बल्कि टैक्सी, रेस्टोरेंट, दुकानदार, गाइड और अन्य पर्यटन से जुड़े हजारों लोगों की रोजी रोटी चलती है। बावजूद इसके वर्तमान हालत में पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन कारोबार महज 50 प्रतिशत तक सिमट गया है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर मसूरी, देहरादून और गढ़वाल के होटल एसोसिएशनों से भी सम्वाद किया गया है और यह समस्या केवल नैनीताल तक सीमित नहीं है बल्कि प्रदेश के पहाड़ी क्षत्रों में पर्यटन की गिरावट दर्ज की जा रही है।

व्यापारियों ने चेतावनी दी कि वीकेंड पर पुलिस ने पर्यटकों को रोका तो होटल एसोसिएशन सड़कों पर उतरेगा। एसोसएशन ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे सभी स्टोकहोल्डर्स से सम्वाद कर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीति तैयार करें और गैर पंजीकृत होटल-होमस्टे, फर्जी ट्रेवल एजेंसियों, फर्जी गाइड और सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। पत्रकार वार्ता में एसोसिएशन के महासचिव वेद साह, कोषाध्यक्ष सी.पी.भट्ट, आलोक साह, रमनजीत सिंह, रुचिर साह, स्नेह छावड़ा, जितेन्द्र जेठी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदेश की सड़कों की बदहाल स्थिति को भी पर्यटन गिरावट का बड़ा कारण बताया और कहा कि प्रदेश में सड़कों की हालत बेहद खराब है। गड्ढों के कारण पर्यटक पब्लिक ट्रान्सपोर्ट पर का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। करीब सात वर्षों बाद नैनीताल की लाइफलाइन मानी जाने वाली माल रोड की मरम्मत शुरु हुई है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अंकिता हत्याकाण्ड पर तूफान नहीं थमने वाला, जाँच और अनुमान

उर्मिला सनावर की लम्बी छलांग से बेकाबू और बेनकाब तो हुए ही हैं। उत्तराखण्ड की चर्चा देशभर में हो रही है

उत्तराखण्ड में उर्मिला सनावर की लम्बी छलांग से कतिपय बेकाबू और बेनकाब तो हुए ही हैं। हालात बता रहे है। कि अंकिता हत्याकाण्ड का तूफान थमने वाला नहीं है। चाहे कोई कुछ कहता रहे लेकिन यह बड़ा सच है कि 'खुशबू' की चाहत में गलने वाले कितना ही दिखावा करें वह बेचैन हैं जबकि आन्दोलन में जूझ रहे बेकाबू हुए हैं। आंखिर किसी महिला को इतना साहस कैसे हो गया कि वह लगातार आरोपों की लड़ी जलाती रहे। यह सब करने वाली उर्मिला भी आरोपों से मुक्त नहीं हो सकती क्योंकि उनके अपने आपसी झगड़े के बाद ही अंकिता हत्याकाण्ड का तूफान उठा है। सवाल कतिपय महिला और पुरुषों पर हैं, जिससे यह भी साफ हो चुका है कि आम जनता बेचारी और बेबस होती है। करने-धरने वाले दो-चार होते हैं, जिनको सजा मिलनी ही चाहिये क्योंकि किसी बालिका को परेशान कर क्यों मौत के घाट उतार दिया गया। सवाल उठ रहा है कि अंकिता हत्याकाण्ड में कोई बहुत बड़ा नाम है। उत्तराखण्ड के वर्तमान हालातों की चर्चा पूरे देश में हो रही है। अंकिता हत्याकाण्ड को लेकर राजनीतिक लोग तमाम जगह उन रास्तों को भी तालाशा रहे हैं जहाँ से उन्हें सुगमता हो।

चर्चित महिला उर्मिला सोशल मीडिया पर हवा देने के बाद जिस प्रकार देहरादून पहुँची वह सबने देखा। हत्याकाण्ड को लेकर अपनी व सुरेश राठौर की ऑडियो क्लिपों से सियासी तूफान खड़ा कर देने वाली अदाकारा उर्मिला ने कहा वह एसआईटी को जाँच में सहयोग देने के लिये आई हैं। एसआईटी से बातचीत के बाद उर्मिला ने कहा उनपर भाजपा नेता दुष्यन्त गौतम का नाम लेने को दबाव था। विवादों से घिरी उर्मिला खुद ही पुलिस विवेचना के तहत थानों में पेश हुई। अपने बयान दर्ज कराने के अलावा उन्होंने आडियो क्लिप पुलिस को सौंपे। जिसकी फारेंसिक जाँच होगी। उर्मिला को देहरादून लाने वाले स्वामी दर्शन भारती को लेकर भी जनता गुस्से में है और सवाल उठ रहे हैं कि जो उर्मिला कई दिन से गायब होकर सोशल मीडिया पर तूफान मचा रही थी आंखिर वह इनके साथ कैसे दून आई और क्यों उनके बयानों में नरमी आ गई।

इससे पहले चारों ओर अंकिता हत्याकाण्ड में जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में पत्रकार वार्ता में कहा अंकिता के माता-पिता की भावनाओं के अनुरूप अगला निर्णय होगा। कहा सचिवालय स्थित मीडिया सेन्टर में सीएम ने कहा कि उत्तराखण्ड की बेटी अंकिता को न्याय दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इस दिशा में सरकार ने पूरी गम्भीरता, सम्वेदनशीला और पारदर्शिता के साथ कार्य किया है। कहा हम हर जाँच कराने को तैयार हैं। सीएम की पत्रकार वार्ता के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा मुख्यमंत्री ने अंकिता के परिवार से राय का उचित फैसला लिया है। दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा सीएम का बयान सम्वेदना नहीं, जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। कहा वीआईपी की पहचान आम हो व हत्याकाण्ड के सबूत मिटाने वालों पर कार्रवाई हो।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त गौतम ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर के खिलाफ डालनवाला में प्राथमिकी दर्ज करवा। इसमें दोनों आरोपियों पर जान बूझकर सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो जारी कर उनकी छवि धूमिल करने व दंगे फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कांग्रेस, यूकेडी और आप को साजिश का सूत्रधार बताकर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। हरिद्वार और देहरादून में में दो मुकदमे दर्ज होने और लगातार नोटस के रूप में कानूनी शिकंजा कसने पर ज्वालापुर के पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अग्रिम जमानत से जुड़े प्रार्थनापत्रों पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने हरिद्वार व देहरादून की पुलिस से दोनों मुकदमों की जानकारी मांगी। कोर्ट से राहत के बाद राठौर ने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली और कुछ सफाई भी दी। इस बीच दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता दुष्यन्त गौतम को राहत देते हुए निर्देश जारी किया कि अंकिता हत्याकाण्ड से जुड़े कथित तौर पर दुष्यन्त गौतम का नाम जोड़े जाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो और अन्य सामग्री को 24 घण्टे के भीतर हटाया जाए। यह आदेश उस मानहानि याचिका की सुनवाई के दौरान दिया गया जिसमें गौतम ने आरोप लगाया था कि उनके खिलाफ वायरह सामग्री में उन्हें वीआईपी बताकर नाम जोड़ दिया गया है, जबकि न तो वह आरोपियों में शामिल हैं और न ही किसी आधिकारिक जाँच या अदालत ने उनका नाम संदिग्ध बताया है।

रा.नर्सिंग कॉलेज का नाम अब स्व. अंकिता के नाम पर

पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ(श्रीकोट) पौड़ी का नाम परिवर्तित कर 'स्व. अंकिता भण्डारी राजकीय नर्सिंग कॉलेज(श्रीकोट) पौड़ी' कर दिया है। सीएम ने कहा कि सम्पूर्ण शासन-प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उनके द्वारा प्रस्तुत मांगों पर विधि-सम्मत, निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई को आगे बढ़ाया जा रहा है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीबीआई जाँच का फैसाल लिया

स्वामी दर्शन भारती, आरती गौड़ की चर्चा भी कम नहीं है

कोई भुनाने, कोई पचाने में लगा है अब

पद्मविभूषण अनिल जोशी भी कूदे अंत में

रोशन रतूड़ी ने मचाई है हलचल

बाजार बन्द कर अपनी रोष दिखाया

इसके अगले दिन जब स्वामी दर्शन भारती के साथ उर्मिला देहरादून आई दूसरी ओर सुरेश राठौर भी प्रेस में अपने को भाजपा का समर्पित सिपाही कहने के साथ ही उर्मिला पर उनका घर उजाड़ने का आरोप लगा रहे थे। इधर उर्मिला के तेवर सबने देखे जिसमें उन्होंने राठौर पर आरोप के साथ ही अंकिता को न्याय के लिये बात कही। इसी दिन मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने मुख्यमंत्री आवास में स्व. अंकिता के पिता वीरेन्द्र सिंह और माता सोनी देवी से भेंट करते हुए कहा कि सरकार उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

पूरे मामले में पहले भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त गौतम को लेकर लेकर उर्मिला सनसनी फैला चुकी थी लेकिन देहरादून प्रकट होने के बाद जैसे ही उन्होंने कहा- उनपर सुरेश राठौर की ओर से गौतम का नाम लेने को दबाव था। आन्दोलनकारियों और राजनीतिक हलकों में सरसराहट होने लगी कि आंखिर उर्मिला करना क्या चाहती है? प्रदेश में राजनीतिक तूफान खड़ा करने के बाद वह किस पाले में है और क्या सच बाहर आएगा। उनपर आरोप भी लगने लगे कि कि वह सौदा कर चुकी हैं। बड़ी चर्चा स्वामी दर्शन भारती की भी हो रही है जो उर्मिला को लेकर देहरादून पहुँचे और उर्मिला की बोलचाल के लहजे में असर दिखाई दिया। भारती कह रहे हैं कि झगड़े की जड़ राठौर हैं। भारती ने कहा कि अब तक सामने आई सभी आडियो क्लिब और विवादों का कारण राठौर हैं, जिसकी जाँच होनी चाहिये। उर्मिला को दूसरों का नाम लेने के लिये कहा गया था।

स्वामी दर्शन भारती के खिलाफ जनता ने भारी रोष जताते हुए सवाल किया है कि वे क्या सरकार के प्रतिनिधि हैं या किस प्रकार के दूत हैं जो इस प्रकरण में कूद पड़े? सुराज सेवा दल ने उनका प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला फूंक डाला। सीएम धामी के अंकिता के माता पिता से मिलने के बाद अन्य लोगों ने भी भेंट करते हुए सम्मान की लड़ाई लड़ने का संकल्प दोहराया। महिला मंच की कमला पन्त ने अंकिता के माता-पिता से भेंट की जिसमें उन्होंने सीबीआई जाँच की मांग दोहराई और सभी गुनाहगारों को बेनकाब करने को कहा। भाकपा माले नेता इन्द्रेश मैखुरी ने अंकिता के माता पिता श्रीमती सोनी देवी और वीरेन्द्र सिंह भण्डारी से मुलाकात उन्हें इस बात के लिये साधुबाद दिया कि उन्होंने पूरी मजबूती से मुख्यमंत्री के सामने सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई जाँच की मांग रखी।

जैसे ही उर्मिला के बयान में नरमी हुई भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा भाजपा नेताओं पर लांछन लगाने का षड्यन्त्र बेनकाब हो चुका है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि आखिर सरकार सीबीआई जाँच से क्यों भाग रही है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि अंकिता हत्याकाण्ड में भाजपा वीआईपी को बचा रही है।

लगातार हो-हल्ले के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता प्रकरण में सीबीआई जाँच की संस्तुति की। सीएम की संस्तुति के बाद भाजपा ने कहा इससे विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश होगा। दूसरी ओर दिल्ली के प्रवासी संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं ने सीबीई जाँच कराए जाने के फैसले का स्वागत किया और सिटिंग जज की निगरानी में जाँच की मांग की। पर्यावरणविद् पद्मविभूषण अनिल जोशी भी अंकिता प्रकरण को लेकर अन्त में कूद पड़े हैं और उन्होंने अज्ञात वीआईपी के लिखाफ मुकदमा दर्ज कर डीजीपी और गृह विभाग को लिखित शिकायत की। इसी बीच उत्तराखण्ड बन्द का आह्वान कुछ जगह बाजार बन्द कर रोष के रूप में दिखाई दिया। सीएम द्वारा सीबीआई जाँच की संस्तुति के बाद प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल ने स्पष्ट कर दिया था कि अब बाजार बन्द नहीं होगा बावजूद कुछ जगह लोगों ने अंकिता की स्मृति में प्रतिष्ठान बन्द कर दिये और अपना रोष भी प्रकट किया।

कुल मिलाकर उर्मिला की छलांग से नेता बेनकाब और जनता बेकाबू हो चुकी है। नेतागर्दी की आड़ में चोखे दिखाई देने वाले कोई मामले को भुनाने में तो कोई पचाने में लगे हैं। अंकिता को न्याय दिलाने के लिये देहरादून सहित चारों प्रदर्शन जारी हैं। पूर्व सैनिकों ने भी अपनी ओर से जुलूस निकालकर चेतावनी दी है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने मांग की है कि अंकिता हत्याकाण्ड की सीबीआई जाँच शीर्ष कोर्ट के जज की निगरानी में हो। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छाए रहने वाले गढ़वाल के रोशन रतूड़ी ने अंकिता मामले से लेकर सारे परिदृष्य पर सोशल मीडिया में बराबर हलचल मचा रखी है। सबको इन्तजार है आने वाले दिनों का कि आगे क्या होगा।

ज्योतिष की बातें- 264

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह मंगल उच्चराशि मकर में, शुक्र मित्रराशि मकर में, बुध व शनि समराशि मकर व मीन में, सूर्य व गुरु शत्रुराशि मकर व मिथुन में गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह मकर, कुम्भ, मीन व मेष राशि में क्रमशः गोचर करेगा।

मौनी अमावस्या- माघ मास की अमावस्या उदयव्यापिनी तिथि, तदनुसार रविवार 18 जनवरी 2026 को मौनी अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा।

बसन्त पंचमी- माघ शुक्लपक्ष पंचमी पूर्वाह्न व्यापिनी तिथि, तदनुसार शुक्रवार 23 जनवरी 2026 को बसन्त पंचमी, श्री पंचमी अर्थात् सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाएगा।

रथ सप्तमी- माघ शुक्लपक्ष सप्तमी उदयव्यापिनी तिथि तदनुसार रविवार 25 जनवरी 2026 को रथ सप्तमी, भानु सप्तमी अथवा सूर्य सप्तमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन रथ पर विराजमान भगवान सूर्य की पूजा अर्चना की जाती है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिनारी में जय मां महाकाली महोत्सव

बेरीनाग। पिनारी में तीन दिवसीय जय माँ महाकाली रौताण देव महोत्सव मनाया गया। महाकाली मन्दिर से रौताण देवता मन्दिर तक कलश यात्रा निकालकर इसका शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक फकीरराम टम्टा ने दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही मंच निर्माण के लिये चार लाख रुपये की घोषणा की। मेला कमेटी अध्यक्ष महेश पन्त, राजेन्द्र पाण्डे, त्रिलोक खाती, कमल पन्त, दीप चन्द्र बिष्ट सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

अल्मोड़ा में डीडीए के खिलाफ प्रदर्शन

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण को लेकर जनपद में विरोध तेज हो गया है। सर्वदलीय संघर्ष समिति के बैनर तले विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने चौघान पाटा स्थित गांधी पार्क में धरना-प्रदर्शन कर सरकार से डीडीए को तत्काल समाप्त करने की मांग दोहराई है।

भल्यूटी में बनेगा कुमाउंनी पिछौड़ा महिलाओं को मिलेगा रोजगार

हल्द्वानी। कुमाउंनी पारम्परिक परिधान पिछौड़ा की रंगवाई का कार्य घरों में हुआ करता था लेकिन जब से बाजार इसमें जुड़ा है तो महिलाओं ने बाजार का रुख किया। फिर क्या था रामपुर, मुरादाबाद, पंजाब की फैक्ट्रियों से पिछौड़े बनकर आने लगे। इस बीच उद्योग विभाग से जुड़कर कुछ समूहों ने स्थानीय स्तर पर प्रयास किये लेकिन दिखावे के इस दौर में बाहर से ही मांग होती रही है। लेकिन अब पहली बार इसको बड़े स्तर पर नाबार्ड के सहयोग से भल्यूटी, ज्योलीकोट में कुमाउंनी पिछौड़ा निर्माण की यूनिट स्थापित की जा रही है। इस यूनिट में करीब ढाई सौ से अधिक महिलाएं होंगी जो सभी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी होंगी। बताया जा रहा है कि लगभग दस गाँवों की महिलाएं इस इकाई से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगी। यूनिट स्थापना का कार्य फरवरी माह से शुरू किया जायेगा। चेष्टा विकास संस्था की अध्यक्ष सुमन अधिकारी ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है।

रुद्रनाथ महोत्सव व शीतकालीन उत्सव

रुद्रप्रयाग। नगर मुख्यालय के गुलाबराय मैदान में रुद्रनाथ महोत्सव व शीतकालीन उत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। मुख्य बाजार में भव्य झांकी के साथ इसका शुभारम्भ किया गया। प्रीतम भरतवाण की जागर प्रस्तुति सहित, जीतू बगड्वाल, पाण्डव लीला व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने को मिलीं।

गंगोलीहाट में पानी के भारी बिल

गंगोलीहाट। नगर वासियों को पानी के भारी भरकम बिलों से राहत मिलेगी। जल संस्थान में उपभोक्ताओं को इसके लिये अपने भवन कर की रसीद दिखानी होगी। दरअसल नगर क्षेत्र में पानी का उपभोग मापने के लिये मीटर नहीं लगाए गए हैं, जिसके कारण दो हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को अनुमानित आधार पर बिल दिए जा रहे हैं। ऐसे में कम आय वाले परिवारों में नाराजगी है।

सेना संग नागरिक सुरक्षा को देंगे बढ़ावा

गोपेश्वर। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत पंवार ने कहा कि सीमान्त क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा को सेना के साथ मिलकर और सुदृढ़ किया जाएगा। सेना की नवीं माउंटेन ब्रिगेड के ब्रिगेडियर गौरव बत्रा के साथ भेंट के दौरान उन्होंने जनपद चमोली में सीमान्त क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा को लेकर गहर मंथन किया। तय किया गया कि सीमान्त क्षेत्र में नागरिक सुरक्षा को सेना के साथ मिलकर और मजबूत किया जायेगा। कहा कि पिछले दिनों आर्मी कैम्प और मेहर गांव में आगजनी की घटनाओं को देखते हुए आर्मी तथा पुलिस के बीच इंट्रा एजेंसी समन्वय को और अधिक बेहतर बनाया जाएगा। किसी भी संकट के समय सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए विशेष तंत्र विकसित करने पर सहमति बनाई गई। सेना अधिकारी ने बताया कि कम्युनिटी रेडियो के द्वारा जनहित सूचनाएं प्रसारण को बढ़ावा देंगे।

सिद्धार्थ साह हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त

नैनीताल। शहर निवासी अधिवक्ता सिद्धार्थ साह को उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त करने से क्षेत्रवासियों ने खुशी जताई है। श्री साह वर्तमान में उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में अधि वक्ता के रूप में कार्यरत थे। नियुक्ति आदेश दिल्ली स्थित जैसलमेर हाउस से भारत सरकार के संयुक्त सचिव जगन्नाथ श्रीनिवासन द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

सिद्धार्थ साह का जन्म 4 सितम्बर 1971 को हुआ। उन्होंने अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई सेंट जोजफ कॉलेज इण्टर की बिड़ला विद्या मन्दिर से पूरी की। स्नातक किरौड़ीमल कालेज दिल्ली के करने के बाद लॉ की डिग्री अल्मोड़ा से हासिल की। उनके पिता एस. एल. साह भी अधिवक्ता हैं। इनके चाचा वरिष्ठ पत्रकार राजीवलोचन साह हैं। बहन साईकिरण अधिवक्ता और बड़े भाई दीपांजन बंगलुरु में एक कम्पनी में कार्यरत हैं।

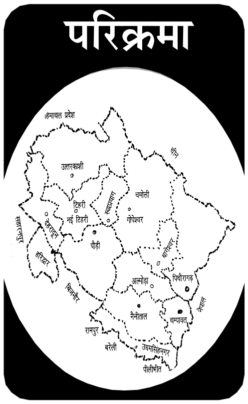

बागेश्वर-अल्मोड़ा हाईवे निर्माण को मोबाइल क्रशर

नैनीताल। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बागेश्वर-अल्मोड़ा सड़क निर्माण के लिए मोबाइल स्टोन क्रशर की हाईकोर्ट ने अनुमति प्रदान कर दी है। बागेश्वर में अवैध खड़िया खनन मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह अनुमति प्रदान की। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में इसके लिए प्रार्थना पत्र में कहा था कि नेशनल हाईवे 309ए के तहत बागेश्वर-ताकुला-अल्मोड़ा सड़क का काम नेशनल हाईवे डिवीजन रानीखेत की ओर से किया जा रहा है जिसके लिये भारत सरकार के सड़क परिवहन और राज्य मंत्रालय ने 31 मार्च 2022 को 472.23 करोड़ रुपये की लागत को मंजूरी दी है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि यह सड़क हल्द्वानी, अल्मोड़ा जैसे आस-पास के इलाकों से बागेश्वर में सभी सप्लाई के लिए एक मुख्य सड़क का काम करती है। इसमें मो.स्टोन क्रशर आवश्यक है।

गैरसैंण में खुलेगा केन्द्रीय विद्यालय

देहरादून। प्रदेश की ग्रीष्म कालीन राजधानी गैरसैंण में जल्द ही केन्द्रीय विद्यालय खुलेगा। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी और कैबिनेट मंत्री डॉ.धनसिंह रावत को आश्वासन दिया। नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान बलूनी और रावत ने गैरसैंण में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना को पत्र सौंपा।

केदारनाथ में नई टनल का प्रस्ताव

देहरादून। केदारनाथ में बढ़ती संख्या को देखते हुए धाम तक पहुँचने के लिए डबल कनेक्टिविटी की कवायद शुरू हो चुकी है। इसके तहत कालीमठ के पास चौमासी से सोनप्रयाग तक सुरंग बनाने की योजना है। केन्द्र सरकार ने केदारनाथ यात्रा को सरल बनाने के लिए सोनप्रयाग से धाम तक रोपवे की योजना भी बनाई है। वर्तमान में इसके लिये एलाइनमेंट का काम जारी है। नई टनल के लिये केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय प्रस्ताव बना रहा है।

अल्मोड़ा ग्रीनफील्ड हाईवे को मंजूरी

अल्मोड़ा। हल्द्वानी से अल्मोड़ा तक ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को केन्द्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से पहाड़ों की कठिन और अधिक समय वाली यात्रा आसान होगी। इससे भीमताल से लेकर कैंची तक रहने वाला वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। हाईवे निर्माण के बाद हल्द्वानी से अल्मोड़ा तक की यात्रा सिर्फ दो घण्टे में तय की जा सकेगी। शीघ्र ही इसकी डीपीआर तैयार होनी है।

केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा ने बताया कि सीमान्त क्षेत्र को देखते हुए ग्रीनफील्ड हाईवे को मंजूरी मिली है। जल्द ही सड़क निर्माण के लिए आगे कार्रवाई की जाएगी। इसके बनने से यातायात सुगम होगा। सीमान्त जिलों से कनेक्टिविटी के साथ पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे जाम वाले स्थान गुलाब घाटी समें डबल लेन के साथ एलिवेटेड पुल भी प्रस्तावित है।

रं ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न

हल्द्वानी। देवस् शटलर्स डेन मुखानी में रं समुदाय की ओपन बैडमिंटन प्रतियागिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में 15 वर्ष से कम उम्र के बालक, बालिकाओं व ओपन महिला, ओपन पुरुष सिंगल, ओपन पुरुष डबल और 30, 45 व 60 वर्ग के कुल 135 मुकाबले खेले गए।

ओपन पुरुष सिंगल के रोमांचक मुकाबले में अमन सिंह नबियाल हल्द्वानी ने अपने योगेश सिंह ग्वाल देहरादून को पराजित कर विजेता का खिताब जीता। दिल्ली, मुम्बई, मुरादाबाद, बरेली और पिथौरागढ़ से रं समुदाय के खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता का शुभारम्भ सांसद अजय भट्ट ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री डा. जीवन सिंह तितियाल ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहित किया।

हल्द्वानी तीनपानी में बनेगा आईएसबीटी

हल्द्वानी। तीनपानी स्थित उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास दस हैक्टेयर भूमि पर आईएसबीटी बनेगा। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में आईएसबीटी को लेकर दायर जनहित याचिका खारिज होने और यथास्थिति बनाए रखने के निर्णय के बाद इसके निर्माण का रास्ता साफ हो चुका है। परिवहन विभाग ने इसके निर्माण के लिए कवायद शुरू कर दी है। वन भूमि हस्तान्तरण के बाद डीपीआर बनाई जाएगी।

बताते चलें कि 2017 में गौलापार में आईएसबीटी के लिए 8 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की थी, जिसमें करीब 75 करोड़ की अनुमानित लागत से इसका निर्माण होना था लेकिन बाद में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने तीनपानी में आईएसबीटी बनाने का निर्णय लिया। इसके लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें कोर्ट ने अगस्त 2023 में याचिका खारिज करते हुए प्रदेश सरकार के निर्णय में हस्तक्षेप करने से इनकार किया था। इसके बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट गये, जिस पर यथास्थिति का निर्णय हुआ।

बालेश्वर की खंडित मूर्तियां संजोएंगे

चम्पावत। नगर के बालेश्वर मन्दिर समूह की खण्डित मूर्तियों को संग्रहालय में रखने की तैयारी की जा रही है। संग्रहालय निर्माण के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग ने प्रशासन से जमीन देने की अपील की है। बालेश्वर मन्दिर को राष्ट्रीय विरासत स्मारक के रूप में वर्ष 1952 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने संरक्षित किया था। चंद शासकों ने 13वीं सदी में इस मन्दिर की स्थापना की थी।

रं कल्याण संस्था की हाफ मैराथन

धारचूला। रं कल्याण संस्था की ओर से हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। 21 किमी हाफ मैराथन में पिथौरागढ़ के जीवन सिंह सौन ने इसे जीता। दूसरे व तीसरे स्थान पर जितेश कुमार व पंकज सिंह बोहरा रहे। महिला वर्ग में माया प्रथम, मीना कोरंगा द्वितीय व उषा तृतीय रहे। दस किमी की दौड़ में हितेश प्रथम रहे जबकि महिला वर्ग में दीपिका सामंत प्रथम रही। पांखू की तीन सगी बहनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी देखने को मिला।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

याज्ञवल्क्य गए थे.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

जैसा हो रहा था, याज्ञवल्क्य, गार्गी, उद्दालक, श्वेतकेतु जैसे उद्भट अध्यात्म वेत्ता सारे देश में अपनी ज्ञानचर्चाओं के कारण छाए हुए थे, वेद अन्तिम रूप से संकलित किए जा चुके थे, ब्राहमण ग्रन्थों की रचना शुरू हो गई थी और उपनिषदों का लिखा जाना कुछ समय बाद शुरू होने वाला था।

मूअन जो दड़ो और हड़प्पा आदि इतिहास के इस कालखण्ड के शहर हैं जहाँ वह सब कुछ था जो देश के बाकी शहरों में भी था। अम्बाला और कराची में और आधुनिक बलुचिस्तान के केलात जैसे स्थानों पर मिली वैसी खुदाइयों में वैसे ही नगरों के अवशेष मिले हैं।

अब कालीबंगा स्थान की खुदाई से प्रमाणित हो राह है कि देश में बड़े पैमाने पर इस तरह के सम्पन्न और समृद्ध शहरों में खूब विकास हो चुका था। पर हमें भटकाने की कला में माहिर पश्चिमी इतिहासकारों ने कुछ ऐसा पेश किया कि मानो हड़प्पा-मूअन जो दड़ो ये दो शहर ही इस भारतभूमि पर विकसित थे, जो भारतवासियों से अलग किसी दूसरी कौम के थे, जिन्हें उन तथाकथित आर्यों ने नष्ट किया जो इन पश्चिमी इतिहासकारों के मुताबिक बाहर से कहीं से आए थे और जो (फिर से उन्हीं पश्चिमी इतिहासकारों की अपनी कल्पनाओं के अनुसार) गाँव सभ्यता वाले होने के कारण शहरी सभ्यता के विरोधी थे। फिर सदियों बाद इन्होंने मन्त्र वगैरह लिखने शुरू किए और इस तरह सभ्यता के केन्द्रों को नष्ट करने वाले इन असभ्य आर्यों के बीच सभ्यता का धीरे-धीरे विकास हुआ। पश्चिमी इतिहासकारों ने अगर अपना यह कुप्रचार शोध के नाम पर हमारे दिमाग में बिठा दिया तो इसमें उनका कोई अपराध नहीं। कसूर तो हमारा है कि हमने अपने इतिहास के तमाम भारतीयों स्रोतों को खड्डे में डालकर पश्चिमी विद्वानों के कुप्रचार को इतिहास मानकर शिरोधार्य कर लिया।

जाहिर है कि हड़प्पा और मूअन जो दड़ो हमारे इतिहास के वैसे ही मीलपत्थर हैं जैसे मीलपत्थर उस वक्त भारत के चारों कोनों में विकसित हालत में थे। 1922 में आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया ने संयोगवश इन्हीं स्थानों पर खुदाई की तो वहाँ भी शहर मिल गए। अगर वे भारत के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में खुदाई लायक और जगहें तलाशते तो उन्हें मिल जातीं। जैसे मकानों को हड़प्पा-मूअन जो दड़ो में पाकर ये इतिहासकार हर्षित हो गए, हर्ष देने वाले वैसे ही शहर उन्हें देश के बाकी हिस्सों में भी मिल जाते। भारत उस समय समृद्धि के जिस शिखर पर था, उसका प्रतीक आरामदायक रहन-सहन से भरपूर ऐसे ही शहर, वैसी ही जल निकासी व्यवस्था, वैसे ही सार्वजनिक स्नानागार, वैसे ही शाइस्ता मकान और गलियाँ और बाजार इन इतिहासकारों को भारत के किसी भी कोने में मिल जाते। इसलिए हड़प्पा मूअन जो दड़ो हमारे इतिहास के कोई अजायबघर नहीं कि जिन्हें मिस्र की नील घाटी की सभ्यता या मैसोपोटामिया की दजला-फराल नदी के सभ्यता की तरह पेश किया जाए। वैसे दो सभ्यताएँ भी कोई अजायबघर नहीं थीं। उन देशों के पुराने इतिहासों में इनका स्थान अभिन्न और स्वाभाविक अंग जैसा ही है।

पर पश्यिमी दृष्टि ने इन सभी को अजीबोगरीब चीजों की तरह हमारे आगे परोस दिया है। कहा कि मुअन जो दड़ो में एक सामुहिक स्नानागार मिला है, जिसका अर्थ है कि लोग एक साथ नहाते थे। कहा कि वहाँ नर्तकी की प्रतिमा मिली है, यानी लोग मनोरंजन करते थे। कहा कि वहाँ एक ऐसी देवतातुल्य प्रतिमा मिली है जिसके आसपास पशु आदि बैठे हैं, मानो वे पशुपति शिव हों। अब बताइए, इस पर क्या कहा जाए?

जीवन की अत्यन्त स्वाभाविक चीजों को अगर इस तरह पेश किया जाए कि वे अजूबा लगें तो क्या राय बनाएँगे आप? क्या स्नान, मनोरंजन और देवपूजा मानव जीवन का सहज हिस्सा नहीं है? यह तो ऐसा हुआ कि कल को कोई कहना शुरू कर दे कि तब के लोगों के दो कान, दो आँखें व एक नाम हुआ करते थे।

इसमें कोई उल्लेखनीय बात मान पाएँगे आप? चूँकि नहीं मान पाएँगे, इसलिए इसमें कोई नई बात नहीं कि ईसा से ढाई हजार साल पहले (यानी आज से साढ़े चार हजार साल पहले) हड़प्पा, मूअन जो दड़ो या ऐसे ही कुछ शहर भारत के विभिन्न भागों में थे क्योंकि एक परम विकसित सभ्यता में ऐसे शहर हुआ ही करते हैं।

तब भी थे, आज भी हैं, आगे भी रहेंगे। इसमें थ्रिल सिर्फ इतना है कि खुदाई करने के बाद एक शहर हमें ऐसा मिला जो आज से साढ़े चार हजार साल पुराना है। और पश्चिमी इतिहासकारों ने इसे इसलिए भारत के इतिहास का पहला अध्याय मान लिया इसमें एक ऐसी राजनीति है जिसे शोध की थाली में सजाकर हमारे सामने रख दिया गया है।

हमने कहा कि याज्ञवल्क्य मूअन जो दड़ो गए और गार्गी हड़प्पा गई थीं। ये दोनों दार्शनिक इन शहरों में गए थे इसका कोई प्रमाण हमारे पास नहीं है। प्रमाण सिर्फ इतना भर है कि कुरु-पांचाल के याज्ञवल्क्य मिथिला के राजा जनक की ब्रह्मसभा में गए थे। पर वे इन शहरों में कभी नहीं गए थे, ऐसा भी तो कोई प्रमाण नहीं मिलता। हो सकता है वे गए भी हों। पर अगर हमने एक निश्चित सूचना से भरा शीर्षक आज दिया है तो इसके कारण तीन हैं। एक, पाठकों को दर्ज हो जाए कि मूअन जो दड़ो और हड़प्पा उस समय के भारत के शहर हैं जिस समय देश में याज्ञवल्क्य और गार्गी की दुन्दुभि बज रही थी। दूसरा यह कि जिस तेवर से ये दोनों और ऐसे अन्य दार्शनिक देशाटन कर रहे थे, हो सकता है कि वे वह वहाँ गए ही हों। यानी याज्ञवल्क्य या गार्गी ही क्यों, कोई भी दार्शनिक वहाँ गया हो तो इसमें हैरानी क्या? तीसरा कारण ऐसा शीर्षक देने का यह है कि इन दो शहरों को लेकर एक अजायबघर जैसी जो अवधारणा पश्चिमी इतिहासकारों ने हमारे मन में बना दी है वह टूटे और भारत के मीलपत्थर (यानी साढ़े चार हजार साल पहले के ऐसे शहर) हमारे दस हजार साल के इतिहास का स्वाभाविक हिस्सा नजर आएँ। हमने शीर्षक का ऐसा गैर पत्रकारीय उपयोग किया इसके लिए पाठकों से क्षमाचायना है। (साभार नवभारत टाइम्स)

रं खेल महोत्सव का धमाल

नेपाल ने जीती वॉलीबाल प्रतियोगिता

धारचूला। जवाहर सिंह नबियाल स्टेडियम में रं कल्याण संस्था, राज्य पर्यटन विभाग तथा नमामि गंगे परियोजना के सहयोग से आयोजित रं खेल महोत्सव का धमाल मचा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण के साथ इसका समापन किया गया। आयोजित वॉलीबाल और क्रिकेट प्रतियोगिता में नेपाल की टीमों ने बाजी मारी। इस दौरान पारम्परिक खेलों का आयोजन भी किया गया। मुख्य अतिथि विधायक हरीश धामी ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए समिति को एक लाख रुपये भेंट किए। अण्डर 45 वर्ग बैडमिंटन में नवीन खर्कवाल और विनोद तिंकरी, महिला रस्साकशी में दबंग धारचूला और पुरुष वर्ग में यूथ फोरम धारचूला विजेजा रहे। अण्डर 15 क्रिकेट में जीआईसी बलुवाकोट की टीम तथा पुलो फुगलो में नीरज सीपाल विजेता रहे। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शशि थापा, जिला पंचायत सदस्रू मेनका चलाल, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष भूपेन्द्र थापा, दर्जामंत्री अशोक सिंह नबियाल, प्रकाश गुंज्याल, बलवन्त सिंह शाही, रं संस्था के खेल सचिव डॉ. किशोर सिंह सिरखाल मौजूद थे।

जोहार शौका बैडमिंटन की धूम

हल्द्वानी। जोहार शौका केन्द्रीय समिति द्वारा देव शटलर्स डेन में शौका समाज की विभिन्न वर्गों में 8 से 83 वर्ष के खिलाड़ियों की बैडमिंटन प्रतियोगिता की धूम देखने को मिली। 14 वर्गों के इस खेल में मिक्स्ड डबल्स स्वर्धा में परिवार से ही टीम बनाई गई, जिसमें ससुर बहू, मामा भांजी, देवर भाभी, पति पत्नी, भाई बहिन, पिता पुत्री आदि की जोड़ी होने से रोमांचक मुकाबले देखे गये। उत्तराखण्ड बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव बहादुर सिंह मनकोटी मुख्य अतिथि के रूप में थे। दृष्टि सेंटर फॉर एडवांस्ड आई केयर दुर्गा सिटी और सुभानु आई हॉस्पिटल मुख्य प्रायोजक थे।

पिथौरागढ़ व्यापार मण्डल भंग

व्यापार संघ चुनाव को लेकर संरक्षक मण्डल की बैठक में सदस्यता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। संरक्षक मण्डल ने व्यापार मण्डल की कार्यकारिणी को भंग करते हुए 28 फरवरी तक सदस्यता पर जोर दिया है। दूसरी ओर जिला उद्योग व्यापार मण्डल ने कार्यकारिणी भंग करने का पदाधिकारियों से विरोध किया है।

बेरीनाग व्यापार संघ शपथ समारोह

बेरीनाग। नव निर्वाचित प्रान्तीय उद्योग व्यापार संघ का पुराना बाजार में शपथ ग्रहण हुआ। जिलाध्यक्ष जनक जोशी ने अध्यक्ष राजेश रावत, उपाध्यक्ष कमल खाती, महिला उपाध्यक्ष पायल खम्पा, महासचिव अमित, उपसचिव भगवान कार्की, कोषाध्यक्ष गणेश रावत को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल
माँ नन्दादेवी
एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी

मो.न.
8958525979,
9411134775
फोन सम्पर्क-
05961-222236

गणेश सिंह मर्तोलिया
एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग
मैटीरियल, जनरल आर्डर
सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रंग-बिरंगे नेताओं का सच उघाड़ने के लिये जनता सड़कों पर उतरी

अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड को लेकर जिस प्रकार से उत्तराखण्ड में आग भड़की है दरअसल वह आम जनता का गुस्सा है। अंकिता का मसला तो चर्चा में आ चुका है, न जाने कितने मामले होंगे जिनका सच बाहर नहीं आ सका है। पृथक पर्वतीय प्रदेश बनने के बाद से नेतागर्दी की खेती के अलावा उत्तराखण्ड में हो भी क्या रहा है? तभी तो रंग-बिरंगे नेताओं का सच उघाड़ने के लिय जनता सड़कों पर उतर चुकी है।

नेताओं पर अय्यासी के आरोप पहले भी लगते रहे हैं लेकिन जितना कुख्यातपना फैल चुका है वह डरावना है। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। महिला होने का लाभ उठाने वाली कुछ चुनिन्दा भी जनता की आंखों में आ चुकी हैं। लोक-लाज कोई भय न रखने वाले कितनी बेशर्मी तक जा सकते हैं इसकी झिलमिल तस्वरी लोग अपने दिमाग में बना चुके हैं। फिलहाल उर्मिला को न्याय की बात के अलावा कई तरह की बातें फैली हुई हैं। आश्चर्य की बात यह भी है कि जब हर कोई हत्याकाण्ड का खुलासा होने की बात कर रहा है तो फिर ये नेतागर्दी क्यों होने लगी। सारा माजरा 2027 है और रंग-बिरंगे नेताओं की सच्चाई दिखाई दे रही है। कोई अपने को बचाने में लगा है तो कोई अपने जुगाड़ में। कोई रास्ता ढूंढ रहा है तो कोई माल लेकर चम्पत होने जैसा कर रहा है। ऐसे में आम जनता तो ढगी महसूस करेगी। यही कारण है कि पर्वतीय

प्रदेश किस पर भरोसा करे? नेताओं पर? अधिकारियों पर? चोला ओढ़कर बैठे लोगों पर? न्याय दिलवाने की बात करने वाले वेशधारियों पर?

अंकिता हत्याकाण्ड में न्याय दिलवाने की बात करने वाली सबसे चर्चित चेहरा है उर्मिला सनावर का। अभिनेत्री उर्मिला के पास कुछ राज तो जरूर है जिस कारण वह लम्बे समय से चिल्ला चिल्ला कर बयान जारी कर रही है। वह अपने को बहुत पढ़ा-लिखा और अदाकार कहती रहती हैं, जो उनकी चालाकी में दिखाई भी दे रहा है। वह पूर्व विधायक सुरेश राठौर को अपना पति भी कहती हैं और उन्हें धोखेबाज भी। एक दूसरा चर्चित चेहरा आरती गौड़ के रूप में भी सामने है। सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालने वाली इस महिला ने जिस प्रकार से बातें की वह भी सन्देह वाली हैं। तीसरा चर्चित चेहरा सुरेश राठौर है जो अपने निजी मामलों को लेकर उलझन भरा है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर हलचल मचाने वाले चेहरे सबकी जुबान पर हैं लेकिन असल बात यह है कि अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड के बहाने आम जनता की पीड़ा समझी जा सकती है। इसीलिए जनता चाहे किसी पार्टी को हो वह रंग-बिरंगे नेताओं का सच उघाड़ने के लिये सड़क पर उतर चुकी है।

इस पूरे आन्दोलन में यह तो समझ आ ही रहा है कि आम जतना कितनी पीड़ित है। अपनी सुरक्षा को लेकर एवं दबदबा रखने वाले लोगों द्वारा किस प्रकार शोषण किया जाता है। ताकतबर आदमी अपनी दुर्बलता को जूस की तरह बहा रहा है और गरीबों पर इसका असर है। लोग अपनी बालिकाओं को बाहर भेजने में भयभीत हैं, बेरोजगार भटक रहे हैं, कारोबारी चिन्ता में हैं। चिन्तनशील लोग अपने को समेट चुके हैं। राजनीति के अलावा धन्ध-फन्द में संलिप्त महिला-पुरुष कब तक ऐसा रास रचाते रहेंगे। इसी गुस्से से भरी जनता अपनी भावनाओं के साथ निर्णायक बनने को आतुर दिखाई दे रही है।

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

मो.- 9458920379, 6396098804

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

उत्तरायणी/घुघुतिया त्यौहार की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

श्रीमती गीता रावत

जोहार नगर, भोटिया पड़ाव हल्द्वानी

तारा सिंह कपकोटी

अध्यक्ष व्यापार मण्डल कपकोट (बागेश्वर)

मनोज मेडिकल स्टोर

निकट- स्टेट बैंक कपकोट (बागेश्वर)

गौरव सिंह पांगती

वस्त्र विक्रेता मुनस्यारी

रामानन्द सिंह जंगपांगी

ग्राम घटिगाड़, पो० पतेत (पिथौरागढ़)

कवीन्द्र सिंह वृजवाल

दुकानदार मुनस्यारी (पिथौरागढ़)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)